Self Respect

19-08-2014

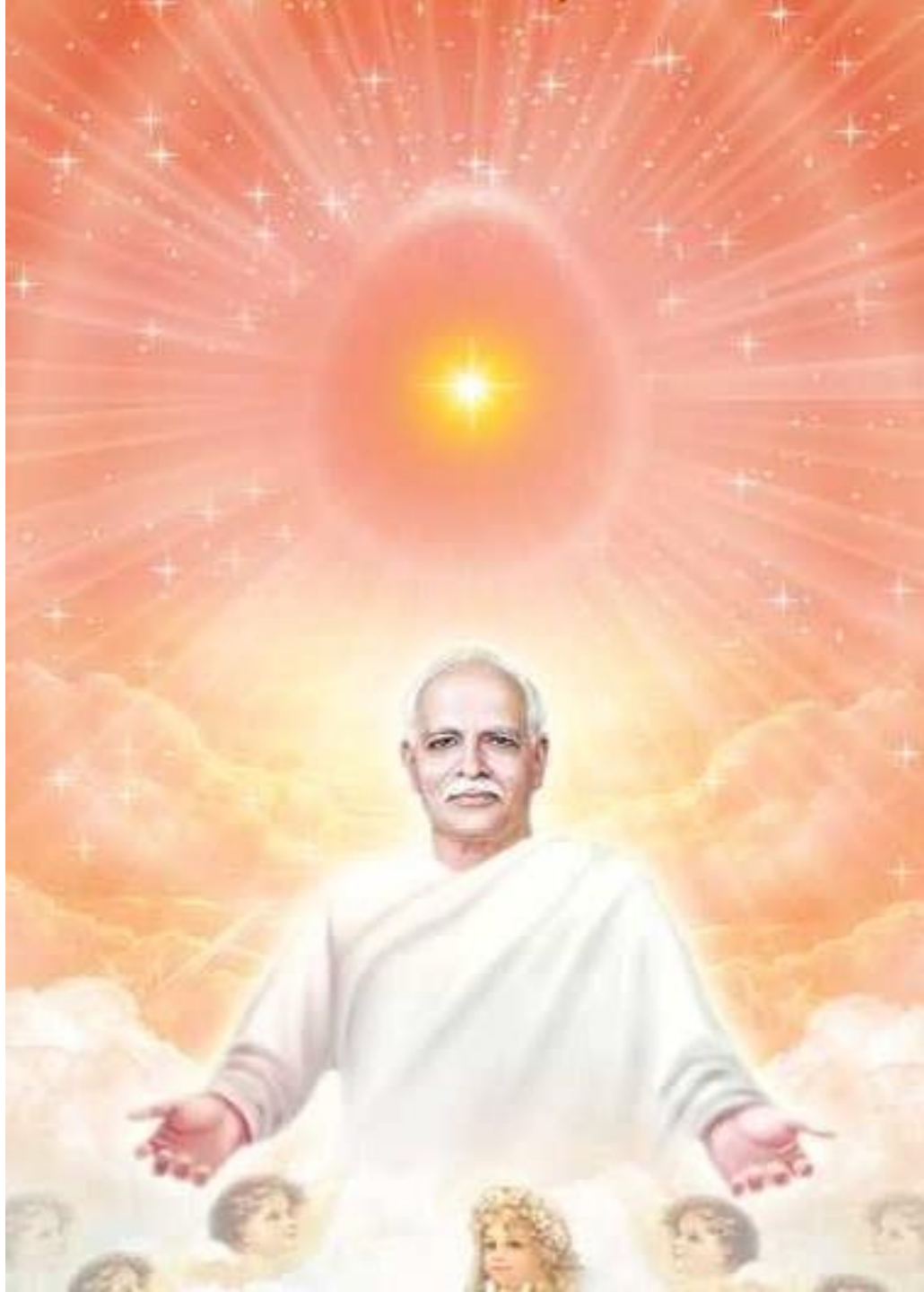

- ✓बार-बार कहते हैं पहले यह पाठ पक्का करो-हम देह नहीं, हम आत्मा हैं । बस । बड़े आदमी जास्ती नहीं पढ़ते हैं, दो अक्षर में ही सुना देते हैं । बड़े आदमी को तकलीफ नहीं दी जाती है ।
- ✓यह तो निश्चय है ना हम सतोप्रधान थे, स्वर्गवासी अर्थात् सुखधाम के मालिक थे । सुखधाम था जिसको ही आदि सनातन देवी-देवता धर्म कहा जाता है ।
- ✓रावण को हर वर्ष जलाते हैं, परन्तु जलता नहीं है । तुम उन पर विजय पाते हो, फिर यह रावण होगा ही नहीं । तुम हो अहिंसक । तुम्हारी विजय योगबल से होती है । याद की यात्रा से तुम्हारे जन्म-जन्मान्तर के सब विकर्म विनाश होने हैं ।

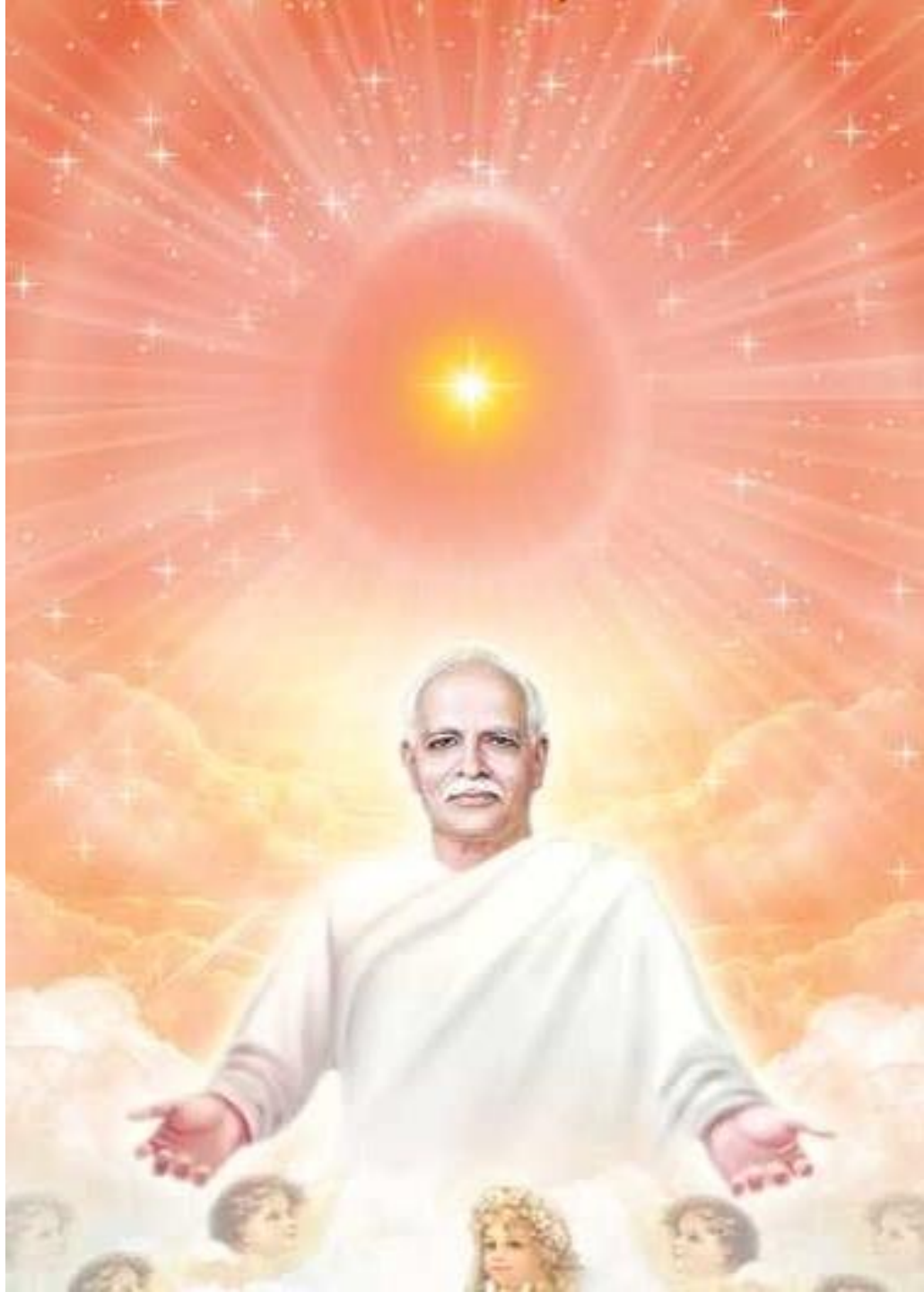

- ✓शिवबाबा ने यह परिवार स्थापन किया । सच्चा-सच्चा परिवार तो तुम ब्राहमणों का है । शिवबाबा का परिवार तो सालिग्राम है । फिर हम भाई-बहन का परिवार बन जाते हैं । पहले भाई-भाई थे, फिर बाप आते हैं तो भाई-बहन बनते हैं । फिर तुम सतयुग में आते हो । तो वहाँ परिवार और बड़ा होता है । वहाँ भी शादी होती है तो परिवार और वृद्धि को पाता है । घर अर्थात् शान्तिधाम में रहते हैं तो हम भाई हैं, एक बाप है । फिर यहाँ प्रजापिता ब्रह्मा की सन्तान भाई-बहन है और कोई नाता नहीं है।

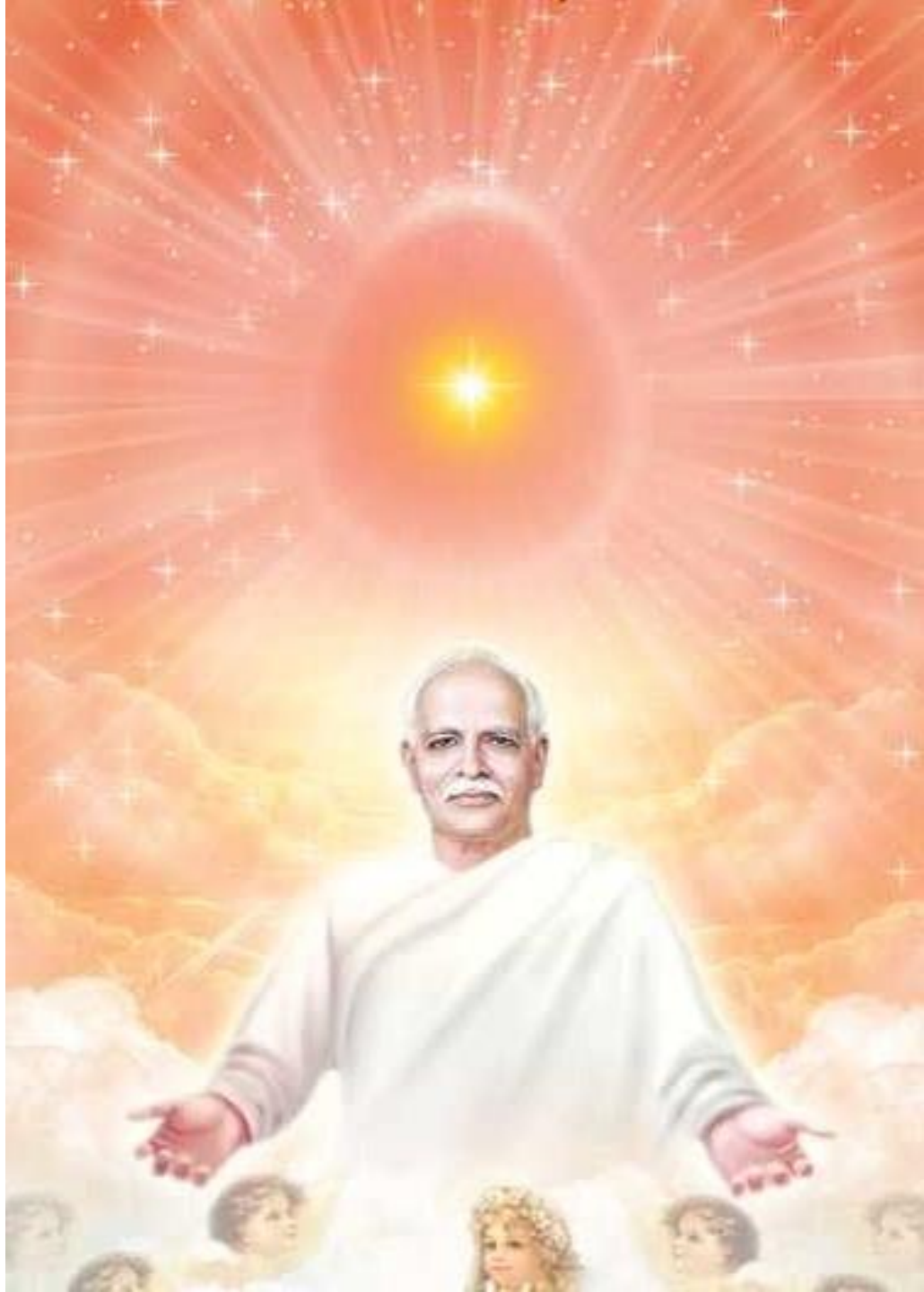

- ✓ड्रामा के प्लैन अनुसार इनको गीता का युग कहा जाता है क्योंकि बाप आकर ज्ञान सुनाते हैं जिससे ऊंच बनते हो ।
- ✓तो बाप भी कहते हैं तुमको यह लक्ष्मी-नारायण बनना है । एम ऑबजेक्ट तो सामने खड़ा है । यह है आदि सनातन देवी-देवता धर्म ।
- ✓अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का यादप्यार और गुडमॉर्निंग | रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते |
- ✓वरदान: शुद्ध संकल्पों के घेराव द्वारा सेफ्टी का अनुभव करने और कराने वाले शक्तिशाली आत्मा भव !